भारत सरकार
नागर विमानन मंत्रालय
लोक सभा
लिखित प्रश्न संख्या: 3403
गुरुवार, 20 मार्च, 2025/29 फाल्गुन, 1946 (शक) को दिया जाने वाला उत्तर

<u>विमान कंपनियों द्वारा वसूला जा रहा पायलट प्रशिक्षण शुल्क</u>

3403. श्री कुलदीप इंदौराः
श्री गौरव गोगोईः

क्या **नागर विमानन मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार को एयरलाइन पायलट्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया से अत्यधिक प्रशिक्षण शुल्क, जिसके कारण आकांक्षी पायलटों का आर्थिक शोषण हो रहा है, के संबंध में कोई शिकायत प्राप्त हुई है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या इससे विमानन क्षेत्र में प्रशिक्षित पायलटों की निरंतर कमी बनी हुई है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या सरकार ने आगामी दस वर्षों हेतु देश में वाणिज्यिक पायलटों की अनुमानित मांग का आकलन किया है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(घ) क्या सरकार का देश में पायलट प्रशिक्षण कार्यक्रमों हेतु प्रशिक्षण लागतों को विनियमित करने और निष्पक्ष तथा पारदर्शी शुल्क ढांचा सुनिश्चित करने के लिए कोई कदम उठाने का विचार है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ङ) क्या सरकार पायलट प्रशिक्षुओं, विशेषकर आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों के प्रशिक्षुओं, को सहायता प्रदान करने के लिए वित्तीय सहायता, राजसहायता और ऋण योजनाओं पर विचार कर रही है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

<u>उत्तर</u>

<u>नागर विमानन मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री मुरलीधर मोहोल)</u>

(क) सरकार को एयरलाइन्स पायलट्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एएलपीए) से आकांक्षी प्रशिक्षु पायलटों से एयरलाइनों द्वारा ली जाने वाली प्रशिक्षण लागत के विनियमन के संबंध में एक अभ्यावेदन प्राप्त हुआ है, जिसमें एयरलाइनों द्वारा ली जाने वाली टाइप रेटिंग की उच्च लागत को उजागर किया गया है।

(ख) और (ग) एयरलाइनों में प्रशिक्षित पायलटों की कोई कमी नहीं है। अगले दस वर्षों में भारत में वाणिज्यिक पायलटों की अनुमानित मांग के साथ-साथ पायलटों का एयरलाइन-वार विवरण अनुलग्नक में देखा जा सकता है।

(घ) वर्तमान में, पायलट प्रशिक्षण कार्यक्रमों के लिए प्रशिक्षण लागत को विनियमित करने का कोई प्रस्ताव नहीं है।

पायलट प्रशिक्षण कार्यक्रम अत्यधिक तकनीकी/अति विशिष्ट होते हैं। प्रशिक्षण की लागत निम्नलिखित कारकों के अलावा अन्य कारकों द्वारा निर्धारित की जाती है:-

(i) विमान में प्रयुक्त ईंधन (एवीगैस 100 एलएल) की उच्च लागत।
(ii) देश में प्रशिक्षण के लिए उपयोग किये जाने वाले अधिकांश विमान विदेश में निर्मित होते हैं और इसलिए महंगे होते हैं।
(iii) विमान के स्पेयर पार्ट्स की उच्च लागत।
(iv) प्रशिक्षण के लिए आयातित उड़ान सिमुलेटर ।
(v) प्रशिक्षण के लिए विमान का प्रकार और विमानों की संख्या।

(ड.) इस मंत्रालय में इस प्रकार का कोई प्रस्ताव वर्तमान में विचाराधीन नहीं है।

****

अनुलग्नक

लोक सभा के दिनांक 20.03.2025 के लिखित प्रश्न संख्या 3403 के उत्तर से संदर्भित अनुलग्नक

एयरलाइन	कुल कार्यरत पायलट (आज की तिथि के अनुसार)	अगले 10 वर्षों के लिए
एलाइंस एअर	137	तत्काल कोई मांग नहीं
एअर इंडिया	3280	5870
स्पाइसजेट लिमिटेड	369	1630 पायलटों को भर्ती किया जाएगा
अकासा एयर	787	तत्काल कोई मांग नहीं
एअर इंडिया एक्सप्रेस	2169	वित्त वर्ष 2028 तक 2196
इंडिगो	5463	11778

स्रोत :- नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) द्वारा एयरलाइनों से प्राप्त जानकारी के आधार पर।